आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 फरवरी 2025 सान्ध्य समाचार

प्रयागराज महाकुंभ में आज सुबह से ही माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है। अंतिम समाचार मिलने तक शाम चार बजे तक देश विदेश से आए और कल्पवास कर रहे करीब एक करोड़ चौरानबे लाख से अधिक श्रद्धालु आज पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके थे। हमारे संवाददाता ने बताया कि माघ पूर्णिमा के दिन गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करना शुभ माना जाता है। यह कल्पवास करने के विशेष अनुष्ठान के अंत का भी प्रतीक है। इस भव्य उत्सव में दस लाख से अधिक कल्पवासी भी शामिल हो रहे हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र की प्रयागराज के साथ साथ लखनऊ से भी निगरानी की जा रही है।

हम लोगों ने लखनऊ में भी एक वार रूम बना रखा है, जहां से लाइव फीड हम प्रयागराज क्षेत्र का ले रहे हैं। और जैसा कि आप अवगत है कि लगभग ढाई हजार से अधिक कैमरे हमारे एक्टिव हैं और उन सभी का लाइव फीड हमारे आई ट्रिपल सी जो प्रयागराज में है वहां जाता है और यहां भी देखा जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आज सुबह माघ पूर्णिमा स्नान की व्यवस्था की वर्चुअल निगरानी की। तेरह जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में आज दोपहर बाद तक करीब सैंतालिस करोड़ पचपन लाख से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके थे।

****

माघ पूर्णिमा पर आज प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों पर पवित्र नदियों में स्नान कर श्रद्धालु पूजा अर्चना कर रहे हैं। वाराणसी, अयोध्या, अमरोहा, फर्रूखाबाद और हापुड़ जिले की पवित्र नदियों में पवित्र स्नान के लिए आज सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। वाराणसी में दस प्रमुख गंगा घाटों पर करीब बीस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कड़ी सुरक्षा के बीच आज स्नान किया।

****

महाकुंभ के तीन अमृत स्नान के बाद वाराणसी पहुंचे नागा साधुओं ने माघ पूर्णिमा के मौके पर आज पेशवाई जुलूस निकाला। सबसे बड़े जूना अखाड़े की पहली पेशवाई आज दो हजार नागा साधुओं के साथ बैजनत्था जपेश्वर महादेव मठ से हनुमान घाट मठ तक गाजे–बाजे के साथ निकाली गई। जुलूस में बैंडबाजा, नगाड़ा और नागफनी जैसे वाद्य यंत्रों की धुन पर नागा साधुओं ने करतब दिखाया और धूनी भी रमाई। जगह जगह इस भव्य जुलूस का स्वागत किया गया।

****

प्रदेश भर में आज संत रविदास की छह सौ अड़तालिसवीं जयंती मनाई जा रही है। वाराणसी जिले में उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर में आज दिन भर देश विदेश से आए रैदासियों ने उनकी बंदगी की। वहां संत रविदास मंदिर में दर्शन के लिए करीब तीन लाख से **अधिक श्रद्धालु** पहुंचे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ ने लखनऊ में आयोजित संत रविदास जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संत रविदास की जन्मभूमि को एक भव्य स्वरूप दिया है।

हमने सद्गुरू रविदास जी महराज की पावन जन्मभूमि सीर गोवर्धन काशी में प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के अनुरूप वहां पे भव्य स्वरूप दे दिया। वहां पर यात्री विश्रामालय बना दिया। सद्गुरू रविदास जी महराज जी की भव्य प्रतिमा रखवा दी गई है। पाथ का निर्माण कर दिया गया। फोर लेन की कनेक्टिविटी दे दी।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के अम्बेडकरनगर समेत प्रदेश के कई अन्य जिलों में संत रविदास जयंती **पर विविध आयोजन किये गये।**

****

फतेहपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या दो पर दूधी कगार मोड़ के पास श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवलर आज सुबह एक डंपर ट्रक से पीछे से टकरा गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि ग्यारह लोग घायल हो गये। यह सभी श्रद्धालु नई दिल्ली से प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे थे।

****

श्रीराम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज–एसजीपीजीआई में आज सुबह निधन हो गया। वह अस्सी वर्ष के थे। तीन फरवरी को उन्हें ब्रेन हेमरेज के बाद एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि आचार्य श्री सत्येंद्र कुमार दास जी महाराज का निधन अत्यंत दुःखद है तथा सामाजिक एवं आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। राम मंदिर ट्रस्ट ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

****

कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले में स्थित श्रृंगेरी मठ शारदा पीठ के शंकराचार्य विधु शेखर भारती आज गोरखपुर जिले के गीता प्रेस पहुंचे। उन्होंने गीता प्रेस की सभी छपाई मशीनों को देखा और उनके बारे में विस्तृत जानकारी ली।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गोरखपुर आएंगे। वह कल एक सौ दो दशमलव सात एक करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें खोराबार में बने शहर के पहले कल्याण मंडपम का लोकार्पण भी शामिल है।

****